Title: Need to continue with the Choupal programmes and to broadcast a daily news bulletin in Bhojpuri language by the All India Radio, Patna.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष जी, पूरे देश में घूम-घूम कर भोजपुरी भााा के विकास के लिए संगठन बनाया जा रहा है और भोजपुरी भााा को भारतीय भााा के रूप में मान्यता देने तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए आन्दोलन होते रहे हैं। पटना में भोजपुरी भााा-भाषियों की संख्या ज्यादा है।

महोदय, 3 अप्रेल, 2002 से आकाशवाणी केन्द्र, पटना से जो भोजपुरी भााा में प्रसारित होने वाला सबसे लोकप्रिय कार्यक्रम चौपाल था, उसे केन्द्र निदेशक पटना के आदेश के अनुसार बन्द कर दिया गया। 8 अप्रैल, 2002 को पटना के प्रमुख समाचारपत्रों में इस आशय की खबर प्रकाशित हुई तथा सभी राजनीतिक और सामाजिक दल के लोगों ने चौपाल कार्यक्रम से भोजपुरी भााा को हटाए जाने के विरोध में आन्दोलन की घोाणा की। श्रम सेवी संगठनों ने भी सी.बी.आई. से जांच कराने की मांग की है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए आकाशवाणी केन्द्र के निदेशक द्वारा अन्य भाााओं के उद्घोाकों द्वारा भोजपुरी भााा की उद्घोाणाओं को कराने का प्रयास कराया गया और भोजपुरी भााा के कार्यक्रम चौपाल से जुड़े हुए आकस्मिक उद्घोाकों को पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर कार्यक्रम से निकाल दिया गया है। पटना आकाशवाणी केन्द्र के निदेशक, सहायक निदेशक एवं कार्यकारी अधिकारी के विरुद्ध स्वेच्छाचारिता एवं जनविरोधी कार्य करने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए तथा आकाशवाणी पटना से प्र ाति दिन 10 मिनट का एक समाचार बुलेटिन प्रसारित किया जाए।

अध्यक्ष जी, मैं यह कहना चाहता हूं कि माननीय मंत्री, श्री प्रमोद महाजन जी यहां बैठे हुए हैं। मैं उनके ध्यान में लाना चाहता हूं कि पहले से चौपाल कार्यक्रम प्रसारित होता रहा है, लेकिन 3 अप्रेल, 2002 से अचानक उस कार्यक्रम को बन्द कर दिया गया है। भोजपुरी भााा के लोगों में इसके कारण आक्रोा एवं गुस्सा है तथा आन्दोलन की स्थिति बनी हुई है। मैं यह चाहूंगा कि सरकार इसे गम्भीरता से ले और पटना आकाशवाणी केन्द्र निदेशक को निर्देश दे कि भोजपुरी भााा में जो चौपाल कार्यक्रम चल रहा था वह पूर्व की भांति चले तथा भोजपुरी भााा में एक 10 मिनट का बुलेटिन प्रतिदिन आकाशवाणी केन्द्र पटना से प्रसारित किया जाए। यही मेरी सरकार से मांग है।

श्री चिन्मयानन्द स्वामी : अध्यक्ष जी, मैं अपने को श्री प्रभुनाथ सिंह द्वारा उठाए विाय से सम्बद्ध करता हूं।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, we, on behalf of the Congress Party, have been requesting you that the Members who have given notices from our Party be heard first and then you can call other Members of our party in whatever manner you like. We cannot question that. I explained to you about the urgency of this matter in your Chamber also.

MR. SPEAKER: All right. I will permit you after Shri Kirit Somaiya.

Shri Saiduzzama, you have lost your chance.